चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....दैनिक भास्कर.....

दिनांक ...07-10-2020...पृष्ठ संख्या.....02.....कॉलम...3-6.....

अब ऑनलाइन क्लास से बंक नहीं मार सकेंगे छात्र, ईआरपी एप्लीकेशन में रहेगा सारा डेटा

कोरोना से बचाव के मद्देनजर एचएयू प्रशासन का ईआरपी एप्लीकेशन से पढ़ाई कराने का निर्णय

महबूब अली| हिसार

कोरोना से बचाव के लिए एचएयू प्रशासन ने एक और अहम निर्णय लिया है। सोशल मीडिया एप के माध्यम से पढ़ाई बंद कर दी है। अब पढ़ाई के लिए विशेष तैयार एंटरप्राइज रिसोर्स प्लानिंग (ईआरपी) नामक सोफ्टवेयर यू हो रहा है। इसके तहत छात्र-छात्राओं की ऑनलाइन पढ़ाई से लेकर विवि में किसी भी काम के लिए ऑनलाइन आवेदन की सुविधा है। सॉफ्टवेयर के माध्यम से छात्र ऑनलाइन क्लास से बंक नहीं मार सकेंगे।

यदि बंक मारते हैं तो उसकी जानकारी तुरंत संबंधित अध्यापकों को ही जाएगी। यही नहीं अध्यापक ऑनलाइन क्लास लेने में किसी तरह की लापरवाही कर रहे हैं तो ऑनलाइन टीचिंग के चेयरमैन सॉफ्टवेयर से इसकी जानकारी ले सकेंगे। संबंधित प्रशासनिक अधिकारी को रिपोर्ट सौंपी जाएगी।

एचएयू के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह और एचएयू के ऑनलाइन टीचिंग के चेयरमैन डॉ. एके छाबड़ा ने बताया कि पहले सोशाल मीडिया एप से ऑनलाइन पढ़ारइ बंद कर दी गई है। हालांकि छात्र एवं छात्राओं की किसी भी तरह की समस्याओं के समाधान के लिए सोशल मीडिया ग्रुप का प्रयोग किया जा रहा है। ईआरपी एप्लीकेशन से पढ़ाई कराई जा रही है।

छुट्टी की भी ऑनलाइन ले सकते हैं अप्रूव्ल

कोरोना से बचाव के लिए सॉफ्टवेयर के जरिये विवि से जुड़े कर्मचारी और अधिकारी भी छुट्टी के लिए आवेदन कर सकते हैं। ऑनलाइन ही छुट्टी की अप्रूवल मिल जाती है। अन्य ऑफिसियल कार्य भी ऑनलाइन ही कराए जा रहे हैं।

विवि में क्लास चलाने पर चल रहा विचार-विमर्श

कुलतपि का कहना है कि छात्र-छात्रों की पढ़ाई गूगल मीट और गूगल क्लास रूम के माध्यम से कराई जा रही है। ववि में छात्रों की क्लास लगाने को लेकर अभी स्थिति स्पष्ट नहीं है। यही कारण है कि विशेष प्रकार के सॉफ्टवेयर से एचएयू पढ़ाई करा रहा है। हालांकि विवि में क्लास लगाने को लेकर प्रशासन में विचार-विमर्श चल रहा है।

▪ एक सप्ताह पहले ही लेक्चर की वीडियो शेयर कर रहे अध्यापकः कुलपति के अनुसार स्टूडेंट्स को किसी तरह की परेशानी न हो, इसके मद्देनजर इंटीग्रेटिड यूनिवर्सिटी मैसेंजमेंट सिस्टम के तहत पढ़ाई कराई जा रही है। अध्यापक एक सप्ताह पहले ही लेक्चर की वीडियो और ऑडियो को छात्रों को एप्लीकेशन से भेज देते हैं, ताकि क्लास के दौरान उन्हें किसी भी तरह की परेशानी न हो। इस संबंध में एचएयू के ऑनलाइन टीचिंग के चेयरमैन डॉ.एके छाबड़ा ने बताया कि ईआरपी एक बिजनेस मैनेजमेंट सॉफ्टवेयर है। ईआरपी के माध्यम से विवि के अधिकतर कार्य भी पेपरलैस कर दिए हैं। छात्रों की पढ़ाई में भी एप्लीकेशन अहम भूमिका निभा रहा है।

जानिए ईआरपी के लाभ

- पेपर के प्रयोग में कमी आती है।
- सॉफ्टवेयर के द्वारा डाटा को किसी भी जगह आसानी से देखा जा सकता है
- ईआरपी सॉफ्टवेयर में डाटा को आसानी से स्टोर तथा मैनेज किया जा सकता है
- पुराने डाटा को आसानी से खोजा जा सकता है।
- डाटा अलग-अलग स्थान पर न रखकर एक ही स्थान पर रखा जाता है।
- ईआरपी सॉफ्टवेयर ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरह के उपलब्ध रहते हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम..... पंजाब केसरी .....

दिनांक 07-10-2020...पृष्ठ संख्या.....02.....कॉलम.....5-8.....

प्रशिक्षणार्थियों को समेकित कृषि से आमदनी बढ़ाने दिए टिप्स

एच.ए.यू. में समन्वित कृषि प्रणाली विषय पर 3 दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण शुरू

हिसार, 6 अक्तूबर (ब्यूरो): किसान समेकित कृषि प्रणाली को अपनाकर अपनी आमदनी में बढ़ोतरी कर सकते हैं। इसके लिए किसान खेती के साथ-साथ मधुमक्खी पालन, बागवानी, नर्सरी उत्पादन, मशरूम आदि का व्यवसाय कर अपनी आमदनी को बढ़ा सकते हैं। इससे किसान का जो खेती करते समय खाली समय रहता है, उसका सदुपयोग भी हो सकेगा। उक्त विचार सस्य विज्ञान विभाग के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. पवन कुमार ने व्यक्त किए। वे चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान में 3 दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण में प्रतिभागियों को संबोधित कर रहे थे।

प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते वक्ता।

प्रशिक्षण का मुख्य विषय 'समन्वित कृषि प्रणाली' के माध्यम से किसानों की आमदनी बढ़ाना है। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा की देख-रेख में किया जा रहा है।

डॉ. पवन ने छोटे व सीमांत किसानों के लिए समेकित कृषि प्रणाली के तहत अढ़ाई एकड़ तक जमीन वाले प्रोजैक्ट के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी, जिससे किसानों की आय में वृद्धि हो सके।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे	**06.10.2020**	--	--

प्रशिक्षणार्थियों को समेकित कृषि से आमदनी बढ़ाने दिए टिप्स

पांच बजे न्यूज

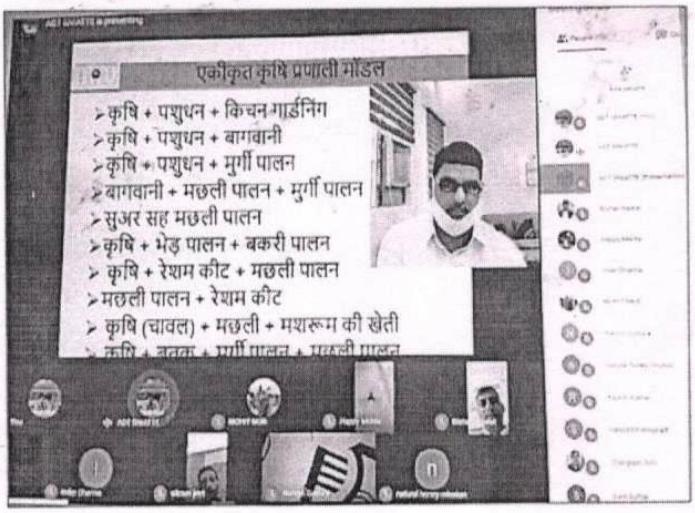

हिसार। किसान समेकित कृषि प्रणाली को अपनाकर अपनी आमदनी में बढ़ोतरी कर सकते हैं। इसके लिए किसान खेती के साथ-साथ मधुमक्खी पालन, बागवानी, नर्सरी उत्पादन, मशरूम आदि का व्यवसाय कर अपनी आमदनी को बढ़ा सकते हैं। इससे किसान का जो खेती करते समय खाली समय रहता है, उसका सदुपयोग भी हो सकेगा। उक्त विचार सस्य विज्ञान विभाग के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. पवन कुमार ने व्यक्त किए। वे चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान में तीन दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण में प्रतिभागियों को संबोधित कर रहे थे। प्रशिक्षण का मुख्य विषय 'समन्वित कृषि प्रणाली' के माध्यम से किसानों की आमदनी को बढ़ाना है। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा की देख रेख में किया जा रहा है। डॉ. पवन ने छोटे व सीमांत किसानों के लिए समेकित कृषि प्रणाली के तहत अढ़ाई एकड़ तक जमीन वाले प्रोजेक्ट के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी, जिससे किसानों की आय में वृद्धि हो सके।

विभिन्न प्रशिक्षण हासिल कर स्वरोजगार स्थापित कर सकते हैं युवा

सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान के सह निदेशक (प्रशिक्षण) डॉ. अशोक कुमार गोदारा ने संस्थान में चल रहे प्रशिक्षण के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस प्रशिक्षण में 30 प्रतिभागी ऑनलाइन रूप से प्रशिक्षण हासिल कर रहे हैं, जिसमें प्रदेश के किसान, महिलाएं और युवा शामिल हैं। उन्होंने बताया कि संस्थान की ओर से बागवानी, मधुमक्खी पालन, मशरूम सहित अनेक तरह के कौशल विकास के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। यहां से प्रशिक्षण हासिल कर युवा स्वरोजगार भी स्थापित कर सकते हैं। सहायक निदेशक(प्रशिक्षण)डॉ. निर्मल कुमार ने कृषि अर्थशास्त्र की जानकारी देते हुए बताया कि किस प्रकार किसान खेती करते समय अनावश्यक खर्च को कम कर सकते हैं। पादप रोग विशेषज्ञ डॉ. पवित्रा कुमारी ने समेकित कृषि प्रणाली के तहत किसानों को मशरूम का व्यवसाय करने के बारे में जानकारी दी। सहायक निदेशक (बागवानी) डॉ. सुरेंद्र कुमार ने बागवानी के बारे में विस्तारपूर्वक बताया। कीट विज्ञान विभाग से डॉ. भूपेंद्र ने मधुमक्खी पालन व्यवसाय की विस्तृत जानकारी दी। डॉ. संदीप भाकर ने सभी वक्ताओं का स्वागत करते हुए प्रशिक्षणार्थियों से इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का अधिक से अधिक लाभ उठाने की अपील की। उन्होंने बताया कि इस तीन दिवसीय प्रशिक्षण में प्रतिदिन अलग-अलग विषयों पर प्रशिक्षणार्थियों को जानकारी दी जाएगी।ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन पर प्रतिभागियों को ई-प्रमाण पत्र भी दिए जाएंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	06.10.2020	--	--

एचएयू में समन्वित कृषि प्रणाली विषय पर तीन दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण शुरू

सिटी पल्स न्यूज़, हिसार। किसान समेकित कृषि प्रणाली को अपनाकर अपनी आमदनी में बढ़ोतरी कर सकते हैं। इसके लिए किसान खेती के साथ-साथ मधुमक्खी पालन, बागवानी, नर्सरी उत्पादन, मशरूम आदि का व्यवसाय कर अपनी आमदनी को बढ़ा सकते हैं। इससे किसान का जो खेती करते समय खाली समय रहता है, उसका सदुपयोग भी हो सकेगा। उक्त विचार सस्य विज्ञान विभाग के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. पवन कुमार ने व्यक्त किए। वे हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान में तीन दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण में प्रतिभागियों को संबोधित कर रहे थे। प्रशिक्षण का मुख्य विषय 'समन्वित कृषि प्रणाली' के माध्यम से किसानों की आमदनी को बढ़ाना है। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा की देख रेख में किया जा रहा है। डॉ. पवन ने छोटे व सीमांत किसानों के लिए समेकित कृषि प्रणाली के तहत अढ़ाई एकड़ तक जमीन वाले प्रोजेक्ट के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी, जिससे किसानों की आय में वृद्धि हो सके।

सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान के सह निदेशक (प्रशिक्षण) डॉ. अशोक कुमार गोदारा ने संस्थान में चल रहे प्रशिक्षण के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस प्रशिक्षण में 30 प्रतिभागी ऑनलाइन रूप से प्रशिक्षण हासिल कर रहे हैं, जिसमें प्रदेश के किसान, महिलाएं और युवा शामिल हैं। ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन पर प्रतिभागियों को ई-प्रमाण पत्र भी दिए जाएंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा	06.10.2020	--	--

समेकित कृषि से प्रशिक्षणार्थियों को दिए आमदनी बढ़ाने टिप्स

एचएयू में समन्वित कृषि प्रणाली विषय पर तीन दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण शुरू

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार। किसान समेकित कृषि प्रणाली को अपनाकर अपनी आमदनी में बढ़ोतरी कर सकते हैं। इसके लिए किसान खेती के साथ-साथ मधुमक्खी पालन, बागवानी, नर्सरी उत्पादन, मशरूम आदि का व्यवसाय कर अपनी आमदनी को बढ़ा सकते हैं। इससे किसान का जो खेती करते समय खाली समय रहता है, उसका सदुपयोग भी हो सकेगा। उक्त विचार सस्य विज्ञान विभाग के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. पवन कुमार ने व्यक्त किए। वे चौधरी

चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान में तीन दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण में प्रतिभागियों को संबोधित कर रहे थे। प्रशिक्षण का मुख्य विषय 'समन्वित कृषि प्रणाली' के माध्यम से किसानों की आमदनी को बढ़ाना है। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा की देख रेख में किया जा रहा है। डॉ. पवन ने छोटे व सीमांत किसानों के लिए समेकित कृषि प्रणाली के तहत अढ़ाई एकड़ तक जमीन वाले प्रोजेक्ट के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी, जिससे किसानों की आय में वृद्धि हो सके।

प्रशिक्षण हासिल कर स्वरोजगार स्थापित कर सकते हैं युवा

सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान के सह निदेशक (प्रशिक्षण) डॉ. अशोक कुमार गोदारा ने संस्थान में चल रहे प्रशिक्षण के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस प्रशिक्षण में प्रतिभागी ऑनलाइन रूप से प्रशिक्षण हासिल कर रहे हैं, जिसमें प्रदेश के किसान, महिलाएं और युवा शामिल हैं। उन्होंने बताया कि संस्थान की ओर से बागवानी, मधुमक्खी पालन, मशरूम सहित अनेक तरह के कौशल विकास के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। यहां से प्रशिक्षण हासिल कर युवा स्वरोजगार भी स्थापित कर सकते हैं। सहायक निदेशक(प्रशिक्षण)डॉ. निर्मल कुमार ने कृषि अर्थशास्त्र की जानकारी देते हुए बताया कि किस प्रकार किसान खेती करते समय अनावश्यक खर्च को कम कर सकते हैं। पादप रोग विशेषज्ञ डॉ. पवित्रा कुमारी ने समेकित कृषि प्रणाली के तहत किसानों को मशरूम का व्यवसाय करने के बारे में जानकारी दी। सहायक निदेशक (बागवानी) डॉ. सुरेंद्र कुमार ने बागवानी के बारे में विस्तारपूर्वक बताया। कीट विज्ञान विभाग से डॉ. भूपेंद्र ने मधुमक्खी पालन व्यवसाय की विस्तृत जानकारी दी। डॉ. संदीप भाकर ने सभी वक्ताओं का स्वागत करते हुए प्रशिक्षणार्थियों से इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का अधिक से अधिक लाभ उठाने की अपील की। उन्होंने बताया कि इस तीन दिवसीय प्रशिक्षण में प्रतिदिन अलग-अलग विषयों पर प्रशिक्षणार्थियों को जानकारी दी जाएगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	**06.10.2020**	--	--

किसान समेकित कृषि प्रणाली को अपनाएं : विशेषज्ञ

हिसार/06 अक्टूबर/रिपोर्टर

किसान समेकित कृषि प्रणाली को अपनाकर अपनी आमदनी में बढ़ोतरी कर सकते हैं। इसके लिए किसान खेती के साथ-साथ मधुमक्खी पालन, बागवानी, नर्सरी उत्पादन, मशरूम आदि का व्यवसाय कर अपनी आमदनी को बढ़ा सकते हैं। इससे किसान का जो खेती करते समय खाली समय रहता है, उसका सदुपयोग भी हो सकेगा। उक्त विचार सस्य विज्ञान विभाग के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. पवन कुमार ने व्यक्त किए। वे चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान में तीन दिवसीय ऑनलाईन प्रशिक्षण में प्रतिभागियों को संबोधित कर रहे थे। प्रशिक्षण का मुख्य विषय 'समन्वित कृषि प्रणाली' के माध्यम से किसानों की आमदनी को बढ़ाना है। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आरएस हुड्डा की देख रेख में किया जा रहा है। डॉ. पवन ने छोटे व सीमांत किसानों के लिए समेकित कृषि प्रणाली के तहत अढ़ाई एकड़ तक जमीन वाले प्रोजेक्ट के बारे में जानकारी दी, जिससे किसानों की आय में वृद्धि हो सके। संस्थान के सह निदेशक (प्रशिक्षण) डॉ. अशोक कुमार गोदारा ने बताया कि इस प्रशिक्षण में 30 प्रतिभागी ऑनलाईन रूप से प्रशिक्षण हासिल कर रहे हैं, जिसमें प्रदेश के किसान, महिलाएं और युवा शामिल हैं। उन्होंने बताया कि संस्थान की ओर से बागवानी, मधुमक्खी पालन, मशरूम सहित अनेक तरह के कौशल विकास के लिए प्रशिक्षण कार्यकम आयोजित किए जाते हैं। यहां से प्रशिक्षण हासिल कर युवा स्वरोजगार भी स्थापित कर सकते हैं। सहायक निदेशक (प्रशिक्षण)डॉ. निर्मल कुमार ने कृषि अर्थशास्त्र की जानकारी देते हुए बताया कि किस प्रकार किसान खेती करते समय अनावश्यक खर्च को कम कर सकते हैं। पादप रोग विशेषज्ञ डॉ. पवित्रा कुमारी ने समेकित कृषि प्रणाली के तहत किसानों को मशरूम का व्यवसाय करने के बारे में जानकारी दी। सहायक निदेशक (बागवानी) डॉ. सुरेंद्र कुमार ने बागवानी के बारे में बताया। कीट विज्ञान विभाग से डॉ. भूपेंद्र ने मधुमक्खी पालन व्यवसाय की जानकारी दी। डॉ. संदीप भाकर ने बताया कि इस तीन दिवसीय प्रशिक्षण में प्रतिदिन अलग-अलग विषयों पर प्रशिक्षणार्थियों को जानकारी दी जाएगी। ऑनलाईन प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन पर प्रतिभागियों को ई-प्रमाण पत्र भी दिए जाएंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समर घोष	**06.10.2020**	--	--

कृषि अवशेष जलाने की बजाय खुंब उत्पादन में करें प्रयोगः डॉ. सहरावत

हिसार। किसान फसल अवशेषों का उचित प्रबंधन करते हुए इन्हें जलाने की बजाय इसका उपयोग मशरूम के लिए कम्पोस्ट बनाने में करें। इससे किसानों की आमदनी में बढ़ोतरी होगी और वातावरण भी दूषित नहीं होगा। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत ने कहे। वे विश्वविद्यालय के पौध रोग विभाग द्वारा खुम्ब उत्पादन तकनीक विषय पर आयोजित तीन दिवसीय ऑनलाइन व्यावसायिक प्रशिक्षण शिविर के शुभारंभ अवसर पर बतौर मुख्यातिथि प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पराली न जलाने के लिए इसे एक सामाजिक अभियान के रूप में ग्रामीण क्षेत्र से जुड़े सभी वर्गों को इसमें योगदान देना होगा। अनुसंधान निदेशक ने कहा कि किसान खुंब को मूल्य संवर्धित उत्पाद जैसे अचार, चटनी पाउडर, पापड़, बिस्किट आदि तैयार कर बेच सकते हैं। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय ने किसानों की सुविधा के लिए बाजवा मशरूम फार्म कुरूक्षेत्र से एमओयू भी साइन किया है, जिसके तहत किसान इस संबंध में अधिक से अधिक लाभ उठा सकते हैं। महाराणा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय करनाल के कुलसचिव डॉ. अजय यादव ने बतौर विशिष्ट अतिथि प्रतिभागियों से कहा कि हरियाणा राज्य मशरूम उत्पादन में देश में प्रथम स्थान पर आ गया है। वर्तमान में प्रदेश में 20 हजार मीट्रिक टन से भी अधिक सफेद बटन मशरूम का उत्पादन हो रहा है। इसके अलावा यहां की जलवायु ढींगरी खुम्ब, दूधिया खुंब, शिटाके खुम्ब व धान के पुआल की खुंब के लिए अनुकूल है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम......अमर उजाला......

दिनांक ...07-10-2020...पृष्ठ संख्या......01......कॉलम......01......

mycity

न्यूज कैप्सूल

एक सप्ताह में पहली बार बढ़ा रात का तापमान, 17.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज

हिसार। सात दिनों तक लगातार गिर रहे तापमान में मंगलवार को मामूली बढ़ोतरी दर्ज की गई और यह 17.2 डिग्री सेल्सियस से बढ़कर 17.5 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया है। हालांकि रात के समय में ठंड बरकरार है। वहीं, मगलवार को अधिकतम तापमान में एक डिग्री की बढ़ोतरी दर्ज की गई और यह 36 डिग्री से बढ़कर 37 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि मौसम विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. मदन खिचड़ के अनुसार प्रदेश में 10 अक्तूबर तक उत्तर-पश्चिमी हवाओं के कारण दिन-रात के तापमान में गिरावट दर्ज की जाएगी। इससे प्रदेश में ठंड बढ़ेगी।